Rajasthan Gk Previous Year Questions - 6

लोक संगीत

☛ राजस्थान के लोक संगीत को मोटे तौर पर कितने भागों में बांटा जा सकता है?
(1) 2 (2) 3
(3) 4 (4) 5 (2)

व्याख्या–राजस्थान के लोकसंगीत को मुख्यत: तीन भागों में बांटा जा सकता है–
1. जन सामान्य द्वारा विभिन्न अवसरों पर गाये जाने वाले गीत
2. सामंतशाही के प्रभाव से विकसित हुए गीत
3. क्षेत्रीय प्रभाव वाले गीत

☛ निम्न में से कौनसा गीत सावन के गीतों में शामिल नहीं है?
(1) चौमासा (2) पपैयो
(3) बदली (4) फाग (4)

व्याख्या–राजस्थान में ऋतुओं संबंधी कई गीत गाये जाते है जैसे फाग, बीजण, सियाला, बारहमासा, होली, चेती, कजली, चौमासा, पपैयो, बदली, मोर आदि। ध्यान रहे – फाग होली के अवसर पर फाल्गुन में गाये जाने वाले गीत है।

☛ निम्न में से कौनसा युग्म संगीत व्यवसाय से जुड़ी जातियों से संबंधित नहीं है?
(1) दमामी (ढोली), मिरासी
(2) लंगा, ढ़ाढी
(3) कालबेलिया, कथिक
(4) ये सभी संगीत से जुड़े है। (4)

व्याख्या–इनके अलावा कामड़, कलावंत, भाट, राव, जोगी, वैरागी, गन्धर्व, भोपे, भवाई, राणा आदि भी संगीत से जुड़ी जातियाँ है। इनके गीत परिष्कृत, भावपूर्ण व वैविध्यमय होते है।

☛ माँड, सोरठ, मारू, कालिगंड़ा, आसावरी आदि क्या है?
(1) लोकगीतों की राग (2) संगीत से जुड़ी जातियाँ
(3) वाद्ययंत्रों का प्रकार (4) कोई नहीं (1)

व्याख्या–इनके अलावा देस, परज, जोगिया, बिलावल, पीलू, खमाज आदि भी लोकगीतों की रागे है। राजस्थान की माँड गायिकी ने तो पूरे विश्व में अपना रंग बिखेरा है। पद्मश्री हाजन अल्लाह जिलाई बाई ने मांड गायिकी में "केसरिया बालम – पधारो म्हारे देश" को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

☛ असत्य कथन को पहचानिये –
(1) बच्चों के खेल गीत साधारण राग व लय लिये होते है।
(2) कान कतरनी, छब्बक छैया, बोल मेरा भैय्या खेल गीत है।
(3) टम्पो घोड़ी फूल गुलाब रो खेल गीत है।
(4) "राजाजी राजाजी खोलो कुवाँड़" रानी द्वारा गाया जाने वाला गीत है। (4)

व्याख्या–"राजाजी–राजाजी खोलो कुवाड़, काकड़ वेल मतीरा पाक्या, मछली–मछली कितणो पाणी, म्हारा महैलां पाछे कूण है" आदि भी बच्चों के खेल गीत है।

☛ पटेल्या, बिछियो, लालर, माछर, नोखीला, थारी ऊँटा री असवारी, नावरी असवारी, शिकार क्या है?
(1) लोकनृत्य (2) लोकगीत
(3) लोकनाट्य (4) वाद्य यंत्र (2)

व्याख्या–यह मेवाड़ क्षेत्र में प्रसिद्ध है।

☛ लांगुरिया गीत किस देवी/देवता से संबंधित है?
(1) जीण माता (2) खाटूश्यामजी
(3) कैला देवी (4) श्रीमहावीरजी (3)

व्याख्या–ध्यान रहे–*कामां व भरतपुर में ब्रज संस्कृति व कृष्ण लीला से संबंधित गीत सुनने को मिलते है।*

☛ वधु के घर की स्त्रियों द्वारा वर की बारात का डेरा देखने जाते समय गाया जाने वाला गीत है–
(1) जला (2) जच्चा
(3) बिंदोला (4) माहिरा (1)

☛ सगाई, बधावा, चाक भात, रतजगा, मायरा, हल्दी, घोड़ी, बन्ना बन्नी, वर निकासी, तोरण, हथलेवा, कुंवर कलेवा, जीमणवार, कांकणड़ोरा, जला, जुहा-जूही आदि गीत किस अवसर पर गाया जाता है?
(1) जन्म अवसर (2) त्यौंहार
(3) विवाह के अवसर (4) मृत्यु पर (3)

☛ लोकगीत ही जनता की भाषा है 'लोकगीत हमारी संस्कृति के पहरेदार है' यह किसने कहा–

(1) रविन्द्रनाथ टैगोर (2) महात्मा गाँधी
(3) जवाहरलाल नेहरू (4) जमनालाल बजाज (2)

☛ लोकगीतों को संस्कृति का सुखद संदेश ले जाने वाली कला किसने कहा?

(1) रविन्द्रनाथ टैगोर (2) महात्मा गाँधी
(3) जवाहरलाल नेहरू (4) जमनालाल बजाज (1)

☛ शिशु के जन्म के अवसर पर गाये जाने वाले गीतों को क्या कहते हैं?

(1) कामण (2) जच्चा
(3) जुआ-जुई (4) जीमणवार (2)

व्याख्या–इसमें गर्भवती की प्रशंसा, शिशु के लिये मगंलकामना व वंशवृद्धि की कामना की जाती है।

☛ किस मौके पर घुडचढ़ी की रस्म के समय 'घोड़ी गीत' गाया जाता है?

(1) पावणा (2) बिंदोला
(3) वर निकासी (4) जला (3)

☛ विवाह के पूर्व वर को रिश्तेदारों के यहाँ आमंत्रित किया जाता है वहाँ से लौटते समय कौनसा गीत गाया जाता है?

(1) जला (2) बिंदोला
(3) जच्चा (4) हथलेवा (2)

☛ गणगौर का पर्व चैत्र माह में कुँवारी कन्याएँ व सधवा स्त्रियों द्वारा कितने दिनों तक अनुष्ठान पूर्वक किया जाता है?

(1) 16 (2) 9
(3) 7 (4) 11 (1)

व्याख्या–तीज व गणगौर पर घूमर नृत्य गीत एक तरह से पहचान बन गया है। तीज से त्योहारों का प्रारंभ व गणगौर से अंत माना जाता है। इसीलिये कहा जाता है–"तीज त्योहारा बावड़ी - ले डूबी गणगौर"

☛ जादू टोने से संबंधित कौनसे गीत गाये जाते हैं?

(1) कामण (2) हमसीढ़ो
(3) ढोल (4) गणगौर (1)

☛ मेवाड़ के भीलों का प्रसिद्ध गीत है?

(1) मूमल (2) हमसीढ़ो
(3) कुरजा (4) घूघरी (2)

व्याख्या–स्त्री व पुरुष मिलकर गाते हैं।

राजस्थान की लोकगायन शैली

1. **मांड**
   - प्राचीन समय में जैसलमेर क्षेत्र को मांड कहा जाता था।
   - अत: यहाँ विकसित लोकगायन शैली मांडगायकी कहलाती है, जो कालान्तर में सम्पूर्ण राजस्थान में लोकप्रिय हुई।

   प्रमुख मांड गायिकाएं :-
   (i) अल्लाहजिल्लाईबाई & गवरी बाई = बीकानेर
   (ii) गवरी बाई - पाली
   (iii) जमीला बानो - जोधपुर
   (iv) मांगीबाई (उदयपुर)
2. **मांगणियार**
   - जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र में मांगणियार जाति द्वारा विकसित लोकगायन शैली।
   - **कमायचा** = साकर खाँ मांगणियार
   - **खड़ताल** = सद्दीक खाँ मांगणियार
   - राजस्थान लोककला अनुसंधान परिषद् - जयपुर (मांड को प्रोत्साहन देने हेतु स्थापित)
3. **लंगा**
   - जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र मं लंगा जाति द्वारा विकसित लोकगायन शैली।
   - मुख्य वाद्ययंत्र - कमायचा, सारंगी।
   - मुख्य गीत - नीम्बूड़ा (गर्भवती महिला द्वारा गाए जाने वाला गीत
4. **तालबन्दी**
   - ब्रज क्षेत्र के साधु-संन्यासियों द्वारा।
   - भरतपुर, करौली, अलवर, सवाईमाधोपुर।
   - मुख्य वाद्ययंत्र = नगाड़ा

Note - अनवर खाँ मांगणियार = पद्मश्री विजेता
सद्दीक खाँ (स्थापना) मांगणियार लोककला अनुसंधान परिषद् - 2003 ई, जयपुर।

☛ बालकों का चौक च्यानणी गीत किस पर्व पर गाया जाता है?

(1) चौमासा (2) गणगौर
(3) गणेश चतुर्थी (4) होली (3)

☛ सुवटिया लोकगीत का संबंध किससे है?

(1) गरासिया स्त्री से
(2) कंजर स्त्री से
(3) भील स्त्री से
(4) सहरिया स्त्री से (3)

☛ दीपावली के 15 दिन पहले लड़के और लड़कियों की टोलियां प्रायः सबके घर घर से गाते हुए निकल जाती है। लड़कों व लड़कियों द्वारा गाये जाने वाला गीत है?

(1) लोवडी/हरणी व घडल्यो
(2) घूमर
(3) हरजस
(4) उपर्युक्त सभी (1)

व्याख्या–लड़कों द्वारा गाये जाने वाले गीत लोवड़ी / हरणी व लड़कियों द्वारा गाये जाने वाले गीत घडल्या कहलाते है। ये मेवाड़ में ज्यादा प्रचलित है।

• स्रोत :- *राजस्थान का लोक संगीत - देवीलाल सामर*

☛ जैसलमेर क्षेत्र में पति के परदेश जाने पर उसके वियोग में गाया जाने वाला गीत कहलाता है?

(1) सुवटियो (2) झोरावा
(3) हमसीढ़ो (4) पीपली (2)

व्याख्या–झोरावा एक विरह गीत है।

☛ घूघरी, केवड़ा, आदि लोकगीत किस क्षेत्र से संबंधित है?

(1) पर्वतीय क्षेत्र (2) मैदानी क्षेत्र
(3) मरूस्थलीय क्षेत्र (4) मेवात क्षेत्र (3)

व्याख्या–कुरजां, पीपली, रतन राणो, मूमल आदि भी यहां के लोक गीत है। यहाँ की संगीतज्ञ जातियों में लंगा, कामड़, भोपे, हीरागर, मीरासी, कलावत आदि शामिल है।

☛ मोरिया गीत संबंधित है–

(1) विवाहित महिलाएँ (2) विधवा महिलाएँ
(3) बालिकाओं से (4) इनमें से कोई नहीं (3)

व्याख्या–मोरिया–इस लोकगीत में ऐसी लड़की की व्यथा है जिसका विवाह संबंध निश्चित हो गया है किंतु विवाह होने में देरी है।

☛ निम्न में से कौनसा गीत विवाह के उपलक्ष्य में गाया जाने वाला गीत है?

(1) सीठणे (2) झोरावा
(3) जलो-जलाल (4) पावणा (1)

व्याख्या–यह गाली गीत होते है।

☛ विवाह पूर्व वर-वधू की प्रेमाकांक्षा की अभिव्यक्ति किन गीतों में देखने को मिलती है-

(1) बना-बनी
(2) जलो-जलाल
(3) टूटिया
(4) कागंसियो (1)

परीक्षा दृष्टि

★ कच्छी घोड़ी नृत्य किस क्षेत्र में ज्यादा प्रचलित हैं – शेखावाटी
★ राजस्थान का लोकवाद्य है (मोरचंग/नगाड़ा/नौबत/उपरोक्त सभी) – उपरोक्त सभी
★ मारवाड़ के जोगियों द्वारा गोपीचंद भर्तृहरी, निहालदे आदि के ख्याल गाते समय किस वाद्य का प्रयोग किया जाता है– – सारंगी
★ गरासिया महिलाओं द्वारा किया जाने वाला वृत्ताकार नृत्य– – मांदल नृत्य
★ वह शास्त्रीय नृत्य जिसका उद्गम स्थल राजस्थान माना जाता है– – कत्थक
★ किस कलाकार ने गोपीचन्द तथा हीर रांझा तमाशा प्रारम्भ किया– – वासुदेव भट्ट
★ कूद नृत्य किस जनजाति का है– – गरासिया जनजाति का
★ हिचकी नृत्य क्या है– – विवाह के अवसर पर भील पुरुषों एवं महिलाओं द्वारा गोला बनाकर किया जाने वाला नृत्य
★ शेखावाटी क्षेत्र के प्रसिद्ध नृत्य का नाम है– – गींदड़ नृत्य
★ 'हाथीमना नृत्य' किस जनजाति में प्रचलित है– भील जनजाति में
★ किस लोकनाट्य की प्रस्तुति के समय इसके मुख्य गीतों का सम्बन्ध चौमासा वर्षा ऋतु का वर्णन एवं गणपति वंदना से है– – रम्मत
★ जयपुर घराने का प्रसिद्ध नृत्य है– – कत्थक
★ गींदड़ नृत्य किस अवसर पर किया जाता है– – होली
★ 'कच्छी घोड़ी' है– – व्यावसायिक नृत्य
★ 'तुर्राकलंगी' लोक नाट्य के रचनाकार है– – शाह अली और तुक्कनगीर
★ 'घूमर नृत्य' के समय कौनसे वाद्य यंत्रों की आवश्यकता होती है– – ढोलक और मंजीरा
★ राजस्थान के कामड़ समुदाय द्वारा प्रस्तुत नृत्य स्वरूप का क्या नाम है– – तेरहताली
★ भारतीय शास्त्रीय नृत्य में कितने रस होते हैं– – 9

☛ लोकगीतों के बारे में यह कथन मिलता है "लोकगीत उस जनसमूह की काव्यमयी रचनाएं है जिसका साहित्य लेखनी अथवा छपाई से नहीं वरन् मौखिक परंपरा से अविरत सबंद्ध रहता है।"

(1) स्टैण्डर्ड डिक्शनरी ऑफ फोकलोर माइथॉलॉजि एंड लीजेण्ड में
(2) फॉक सॉग ऑफ राजस्थान में
(3) कल्चर ऑफ राजस्थान में
(4) कोई नहीं (1)

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in

हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..

यहां उपलब्ध रहेगी 👇👇

Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇

Google

rajasthanclasses.in

Telegram चैनल ज्वॉइन करें

YouTube पर ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

Click Here : Get More PDF